संकल्प

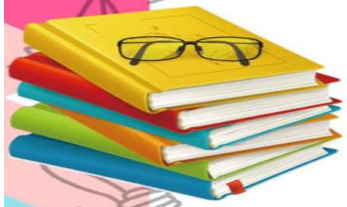

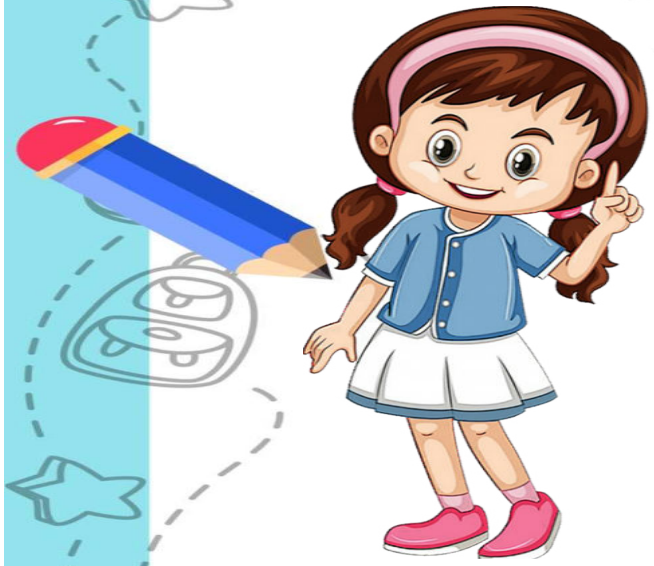

HINDI LITERACY TEAM
CHANDIGARH

पतंग

सर-सर-सर-सर उड़ी पतंग, फर-फर-फर-फर उड़ी पतंग ।
इसको काटा उसको काटा, खूब लगाया सैर सपाटा ।
अब लड़ने में जुटी पतंग, अरे अरे कट गई, लुटी पतंग ।
सर-सर-सर-सर उड़ी पतंग, फर-फर-फर-फर उड़ी पतंग ।
देखो दीदी,
देखो! पतंग

अरे वाह ! प्रेरक
ये पतंग कहाँ से लाया?
दीदी, यह कहीं से कट कर मेरे सामने आ गिरी और मैं उठा लाया। चलो न दीदी, पतंग उडाएँगे और दूसरों की पतंगे काटेंगे भी।
ठीक है, पतंग भी उडाएँगे और दूसरों की पतंगे काटेंगे भी, इससे पहले ये बताओ कि पतंग के बारे में भी कुछ जानते हो क्या? जैसे उस का इतिहास।

हा हा हा... पतंग का भी कोई इतिहास है क्या?
हर वस्तु का अपना इतिहास होता हैं कि वह वस्तु कैसे अस्तित्व मे आई?
देख, तेरी बात सुन कर तो पतंग भी रोने लगी है।
दीदी बताओ न फिर कुछ पतंग के बारे में।

पतंग का इतिहास लगभग 2000 साल से भी अधिक पुराना है। माना जाता है कि सबसे पहले पतंग का आविष्कार चीन के शानडोंग शहर में हुआ। इसे 'पतंग का घर' के नाम से भी जाना जाता है। एक पौराणिक कथा के अनुसार एक चीनी किसान अपनी टोपी को हवा में उड़ने से बचाने के लिए उसे एक रस्सी से बांध कर रखता था और इसी अवधारणा से पतंग की शुरूआत हुई। 5 वीं शताब्दी ईसा पूर्व में चीनी दार्शनिक मोझी और लू बान ने पतंग का आविष्कार किया, तब बांस या फिर रेशम के कपड़े का प्रयोग पतंगों को बनाने के लिए किया जाता था।
अरे वाह, फिर कागज की पतंग कब आई होंगी?
लगभग 549 ईसा पूर्व से कागज़ की पतंगों को उड़ाया जाने लगा क्योंकि उस समय कागज़ से बनी पतंग को बचाव अभियान में संदेश भेजने के लिए प्रयोग किया गया था। इसके अलावा पतंग का प्रयोग हवा का परीक्षण करने के लिए किया जाता था और कुछ में तो सीटी लगा दी जाती थी ताकि उड़ते वक्त संगीत सुनाई दे। समझे ।
हाँ, दीदी।
और भी बताओ न।

तो सुनो, सातवीं शताब्दी के बौद्ध भिक्षुओं ने पतंगों को फसल को समृद्ध करने और आकाश में बुरी आत्माओं को दूर करने के लिए इस्तेमाल किया था। 1295 ईस्वीं में यूरोपीय यात्री मार्कोपोलो ने एक दस्तावेज में बताया कि पतंग का निर्माण कैसे होता है और इसको कैसे उड़ाना चाहिए। 1749 ईस्वीं में तो स्कॉटलैंड के एक मौसम विज्ञानी अलेक्जेंडर विल्सन ने पतंग में थर्मामीटर का इस्तेमाल 3000 फुट में हवा के तापमान को मापने के लिए किया था।

एक और बात, शायद बहुत कम लोग जानते हैं कि जिस बिजली का इस्तेमाल हम कर रहे हैं, वह भी कुछ हद तक पतंग की ही देन है। 1752 ईस्वीं में अमेरिका के वैज्ञानिक बेंजामिन फ्रैंकलिन ने पतंग उड़ाई जिसके धागे के दूसरे सिरे के साथ लोहे की चाबी बंधी थी। वर्षा और तूफान के बादलों से आकाशीय बिजली चाबी में स्थानांतरित हो गई और उन्हें झटका लगा। इसी को आधार बनाकर फ्रैंकलिन ने अन्य आविष्कार किए।

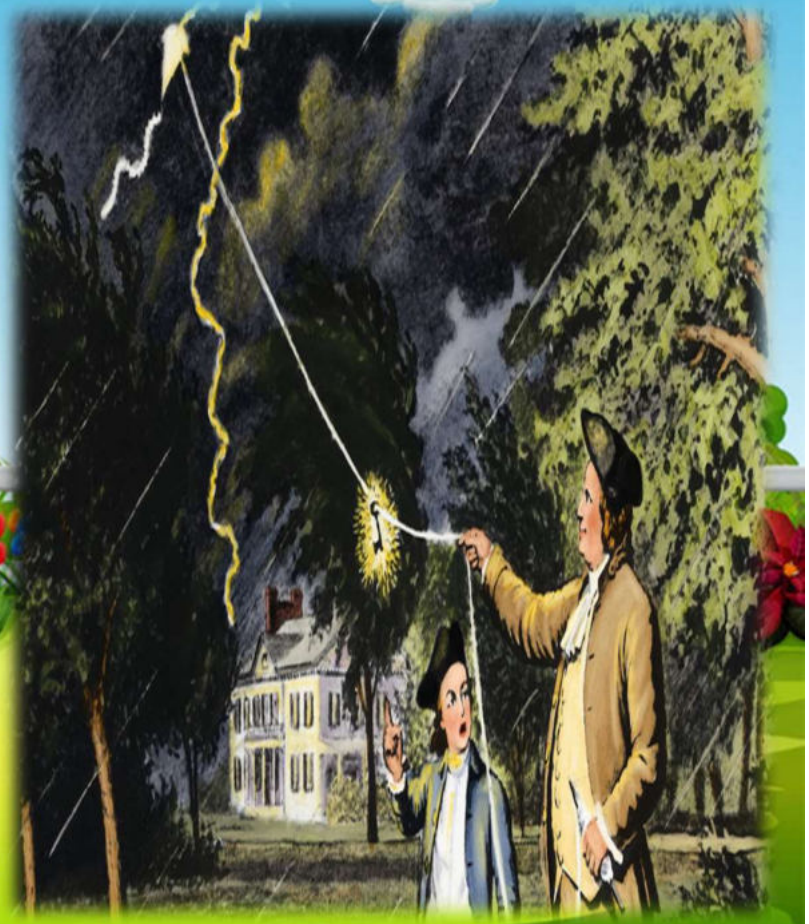

दीदी, फिर तो हवाई-जहाज के बनाने में भी पतंग ने जरूर सहायता की होगी।
हाँ, वर्ष 1800 के अंत में, पहले हवाई जहाज का निर्माण करते हुए राइट बंधुओं के अनुसंधान और विकास में बॉक्सनुमा पतंग की महत्वपूर्ण भूमिका रही।
दीदी, आपको इतनी ज्ञान की बातें कहाँ पता चलती हैं?
जो भी अध्यापक बतातें है, उसे ध्यान से सुनती हूँ और घर आकर दोहराती हूँ। समझे ....

जी दीदी, अच्छा तो बताओ भारत में पतंग उड़ाने की शुरुआत कब हुई होगी?
ज्यादातर लोगों का मानना है कि चीनी यात्री फाह्यान और ह्युनसांग पतंग को भारत में लाए थे। यह टिशू पेपर और बांस के ढाँचे से बनी होती थी। अब तो भारत में विभिन्न त्योहारों पर पतंग उड़ाई जाती हैं और पतंगबाज़ी की प्रतियोगिताएँ भी होती हैं।
पतंगबाज़ी की प्रतियोगिताएँ!
तब तो आसमान भी सतरंगी नज़र आता होगा। दीदी पतंगें बनाई कहाँ जाती हैं?
गुजरात में वडोदरा, सूरत, राजकोट और अहमदाबाद पतंग के बड़े बाजार हैं। इसके इलावा बरेली, अलीगढ़, रामपुर, मुरादाबाद और लखनऊ में तैयार होने वाला मांझा (डोर) और पतंग तो राजस्थान समेत कई राज्यों में भेजा जाता है। देश के विभिन्न भागों जैसे कि राजस्थान, गुजरात आदि मे उतरायण या मकर संक्रांति के मौके पर बड़े स्तर पर पतंग महोत्सव मनाया जाता है

गुजरात के अहमदाबाद शहर में 1989 में पहली बार अंतर्राष्ट्रीय पतंग महोत्सव का आयोजन किया गया था। तब से हर साल देश-विदेश से लोग इस उत्सव मे भाग लेने पहुँचते हैं.आसमान मे अलग अलग रंग, आकृति और आँकर की पतंगे उड़ती दिखाई देती हैं।

दक्षिण भारत में पोंगल के अवसर पर लोग पतंग उडाना पसंद करते हैं,

पंजाब में वसंत पंचमी पर पतंगों का नज़ारा देखने वाला होता है।

दीदी स्वतंत्रता दिवस पर भी तो पतंग उड़ाई जाती है।
हाँ, दिल्ली में 15 अगस्त को पतंग उड़ाना एक लोकप्रिय परंपरा है। आजादी से पहले ब्रिटिश शासन के दौरान वर्ष 1928 में जब साइमन कमीशन भारत आया था, तो लोगों ने पतंगों पर 'साइमन गो बैक' का नारा लिख कर, अपना विरोध जताया था।
SIMON GO BACK

अब तो दुकानों पर सरकार की योजनाओं के नारे लिखी पतंगें बिक रही है। किसी पर 'बेटी-बचाओ, बेटी-पढ़ाओ' का संदेश लिखा है, तो किसी पर 'सबका साथ-सबका विकास'। इस तरह ये लोगों में जागरुकता पैदा करने का काम भी कर रही हैं।

कितना! मजेदार है पतंग का इतिहास

कमाल की बात तो यह है दीदी कि एक कागज़ पर धागा बांधा और वह आसमान में फर-फर उड़ने लगता है।

ऐसा नहीं है मेरे भाई, इसके पीछे भी विज्ञान काम करता है। विज्ञान कहता है कि एक पतंग हवा में तब उड़ सकती है जब 6 से 20 किमी प्रति घंटे से हवा चले और डोर के करण पृथ्वी के गुरूत्वाकर्षण के विपरीत एक सापेक्षित कोण बने, जिसमें पर्याप्त तनाव हो।

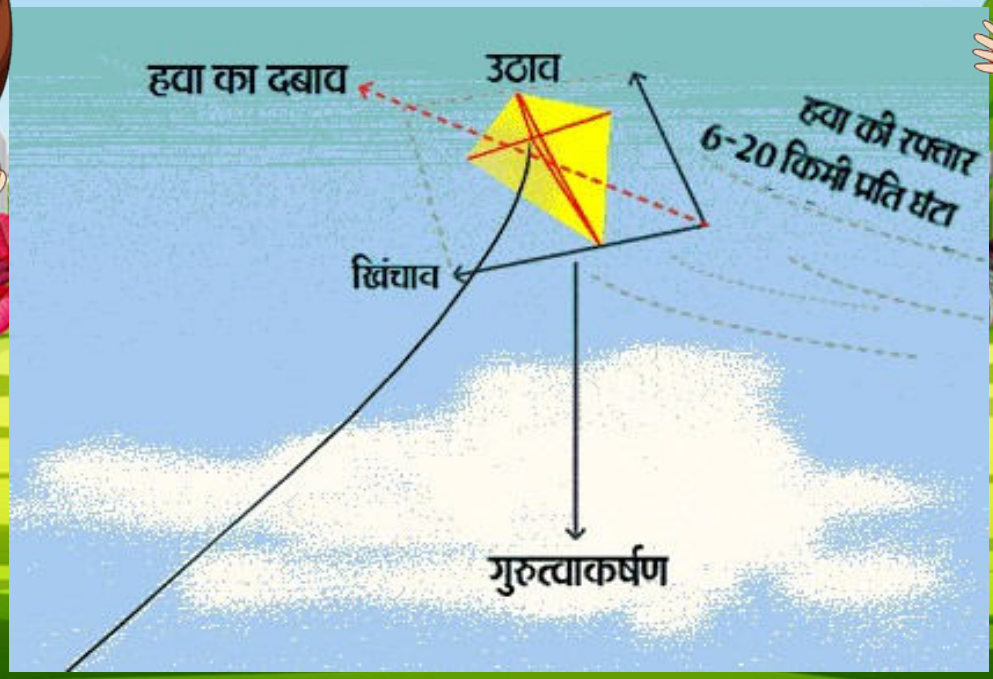

प्रेरक, पतंग उड़ाने से पहले पतंग के विभिन्न हिस्सों के बारे में भी पता होना चाहिए।

चलो दीदी वो भी बता दो, अब

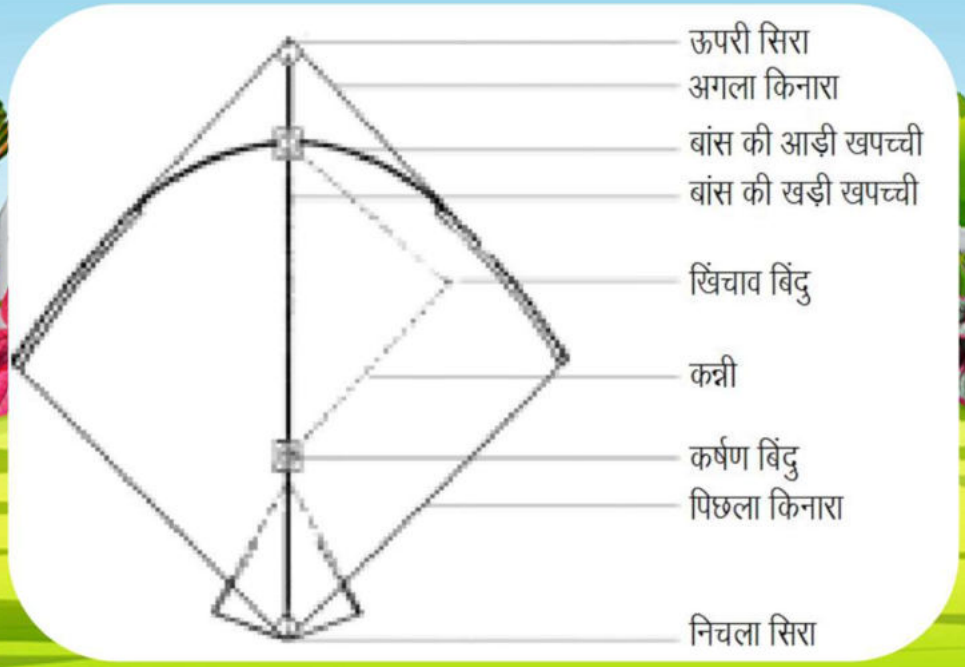

अब तो दीदी मुझे पतंग के बारे में बहुत..... कुछ पता चल गया, चलें फिर पतंग उड़ाने।
अरे! रुको, पतंग उड़ाते समय कुछ बातों का ध्यान भी रखना होता है।
हाँ, दीदी मालूम है हमें सुरक्षित व खुले स्थान पर खड़े होकर ही पतंग उड़ानी चाहिए। कटी पतंग को पकड़ने के लिए सड़क पर नहीं दौड़ना चाहिए, इससे दुर्घटना होने की संभावना रहती है।
शाबाश! और अगर पतंग कहीं अटक जाए तो उसे जोर से खींचना नहीं चाहिए, इससे किसी को नुकसान भी पहुँच सकता है।जैसे

पतंग के धागे से अक्सर कई बेजुबान पक्षी फंसकर और टकराकर घायल हो जाते है, अपने मनोरंजन के लिए उन्हें नुकसान पहुँचना तो गलत है इसलिए हमें चायनीज मांझे के स्थान पर स्वदेशी सूती धागे वाले मांझे का ही इस्तेमाल करना चाहिए।

दीदी, आप की बताई सभी बातों का ध्यान रखूंगा और पतंग को अधिक ऊँचा नहीं उड़ने दूंगा।
अरे वाह! फिर पूछूं तुम से कुछ।
अरे दीदी, मैने आप की बात को ध्यान से सुना है, आप पूछो मैं सबका जवाब दूंगा ।

प्रश्न :

1. **निम्नलिखित में से पतंग का प्रयोग किस उद्देश्य के लिए नहीं किया जाता था?**

   क. सन्देश भेजने के लिए　　ख. हवा का परीक्षण करने

   ग. पक्षियों को दूर भगाने　　घ. बचाव अभियान

2. **आकाशीय बिजली की शक्ति को जानने का श्रेय किस वैज्ञानिक को जाता है?**

   क. अलेक्जेंडर विल्सन　　ख. राइट बंधु

   ग. बेंजामिन फ्रैंकलीन　　घ. मार्कोपोलो

3. **पतंग कहाँ और किस उत्सव पर उड़ाई जाती है-- उचित मिलान करें।**

क. गुजरात	15 अगस्त
ख. पंजाब	पोंगल
ग. दिल्ली	बसंत पंचमी
घ. केरल	मकर संक्रांति

4. **रिक्त स्थान भरें।**

   क. पतंग का आविष्कार चीन के _____ शहर में हुआ।

   ख. पतंग हवा में उड़ सकती है, जब हवा की गति _____ हो।

   ग. एक मौसम विज्ञानी अलेक्जेंडर विल्सन ने पतंग में _____ का प्रयोग किया था।

   घ. पतंग उड़ाते हुए _____ धागे का प्रयोग करना चाहिए।

5. पतंग उड़ाते समय क्या-क्या सावधानियाँ रखनी चाहिए ?

उत्तरमाला :

1. ग. पक्षियों को दूर भगाने
2. ग. बेंजामिन फ्रैंकलीन

क. गुजरात	मकर संक्रांति
ख. पंजाब	बसंत पंचमी
ग. दिल्ली	15 अगस्त
घ. केरल	पोंगल

4. क. शानडोंग

   ख. 6 से 20 किमी प्रति घंटे

   ग. थर्मामीटर

   घ. स्वदेशी सूती

5. सुरक्षित व खुले स्थान पर खड़े होकर ही पतंग उडाएं, कटी पतंग को पकड़ने के लिए सड़क पर नहीं दौड़ना चाहिए, अगर पतंग कहीं अटक जाए तो उसे जोर से नहीं खीचना चाहिए, स्वदेशी धागे का प्रयोग करना चाहिए।

- चर्चा करें -

क्या हम अन्तरिक्ष में पतंग उड़ा सकते हैं?

संकल्प पत्रिका का प्रस्तुत अंक दसवीं कक्षा की पाठ्य पुस्तक स्पर्श भाग–2 के पाठ 'बड़े भाई साहब' से प्रेरित है। यह सीखने के विभिन्न प्रतिफल- स्वाभाविक अभिव्यक्ति, कल्पनाशीलता, भाषाई कौशल, अनुमान और कल्पना तथा कला संबंधी दक्षता को पूर्ण करता है।